वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

वन शहीद दिवस-2022 संगोष्ठी

दिनांक : 11.09.2022

वन उत्पादकता संस्थान,रांची के निदेशक डा.नितिन कुलकर्णी के तत्पर निर्देशन एवं स.स.अ. के मार्ग दर्शन में तथा श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की के सफल संचालन में दिनांक 11.09.2022 को राष्ट्रीय वन शहीद दिवस के अवसर पर आभासीय मंच के माध्यम से वन,वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के लिये काम करते हुए अपने जीवन की आहूति देने वाले शहीदो को श्रद्धांजली देते हुए नमन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्चारियों एवं शोधकर्मीयों ने आमंत्रित अतिथि वक्ता सेवानिवृत वन सेवा के अधिकारी श्री एस.ई.एच. काजमी द्वारा वर्णित उनके सेवाकाल में घटित दो मार्मिक घटनाओं को सुना।

संस्थान के निदेशक ने वानिकी सेवा को एक संघर्ष बताया जिसमे वन कर्मी हमेशा दूरस्थ क्षेत्रो में कार्य करते हैं एवं उनका सामना विभिन्न खतरनाक घटनाओं से होता रहता है। फिर भी भारतीय सम्पदा की सुरक्षा और भारत के विकास में योगदान के लिये अपने जान की परवाह किये बिना अधिनस्थ सेवा देते हैं ऐसी स्थिति में कार्य करते हुए वन कर्मी कभी-कभी दुर्घट्नाओं के शिकार हो जाते हैं तथा देश के लिये शहीद हो जाते हैं। उन्हीं शहीदो के बलिदान को याद कर उन्हे नमन करते हुए श्रद्धांजली देने के लिये उपस्थित हुए हैं।

इससे पूर्व श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की ने संचालन करते हुए आज के भावुक कार्यक्रम का परिचय दिया एवं काजमी साहब को प्राप्त विभिन्न पुरस्कारों का वर्णन करते हुए उन्हे एक सुलझे हुए वन अधिकारी बताया।

श्री एस.ई.एच. काजमी ने अपने सेवा काल में अपने आंखों के सामने घटित दो घटनाओं का बहुत ही मार्मिक चित्रण किया। श्री संजय सिह (भा.व.से.) ने गैर कानूनी कार्यों को रोकते हुये उग्रवादियो के हाथों शहीद हो गए लेकिन वे अपने आदर्शों को नही छोडा । ऐसे वलिदानी देश के सामने एक आदर्श प्रस्तुत करते हैं। उसी प्रकार दूसरी घटना भारतीय मतदान में हिस्सा लेते हुए गैर सरकारी कर्मचारी का वलिदान विचलित कर देने वाली घटनाओ में से एक था, जिसके लिए कोई सरकारी अनुदान का प्रावधान भी नही था। उसी प्रकार उन्होने वन माफिया,खनन माफिया,वन जीव माफियाओं से निपटने के लिए अपने तरीकों को विस्तार से प्रस्तुत किया विशेषत: झारखण्ड में उग्रवाद का विस्तार और वन कर्मियो के वनों के अंदर जाकर कार्य करने के तरीके को समझाते हुए उन्होने कई दिल को दहला देने वाली घट्नाओ को बताया । अंत मे पुन: श्रधांजली समर्पित करते हुये संस्थान के निदेशक डा.नितिन कुलकर्णी एवं श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की ने उनके साहसिक कार्य और उनके वलिदान हुए सहीदो के प्रति समर्पन की घटनाओं के वर्णन के लिए श्री एस.ई.एच. काजमी का भावपूर्ण आभार व्यक्त किया एवं कार्यक्रम में शामिल समस्त प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां